

Affiliation No. : 2131721
School Code : 60724



BRIJ DHAM VIDYA MANDIR

Senior Secondary School (Residential)

(Affiliated to C.B.S.E. Delhi)

PROSPECTUS

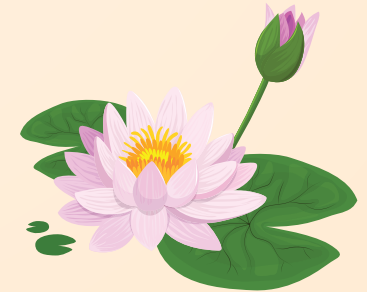
ADMISSION PROSPECTUS

हमारे प्रेरणाश्रोत



स्व. श्री श्यामलाल फौजदार

यह विद्यालय इनकी प्रेरणा से स्थापित किया गया है।



चेयरमैन सन्देश.....



विद्यालय आधुनिक समाज की अनेक संस्थाओं में से सबसे महत्वपूर्ण संस्था है जिससे समाज की आने वाली पीढ़ी अपने सुनहरे भविष्य का निर्माण करती है। इसी कड़ी में (बृजधाम विद्या मन्दिर, पाली डूंगरा, मथुरा) अध्ययन के क्षेत्र में व्याप्त कमियों/बुराईयों में बदलाव लाने के लिए विगत तेरह बर्षों से कार्यरत है।

यह विद्यालय समाज एवं छात्र-छात्राओं को नकल विहीन, अनुशासित, आध्यात्मिक, व्यावसायिक और व्यक्तित्व विकास की शिक्षा हेतु वातावरण प्रदान कर रहा है, जिससे हम विद्यालय में चरित्रवान, संस्कारी, कर्मशील एवं बहुआयामी

त्यागी विद्यार्थियों का निर्माण कर सकें, जो भविष्य में शिक्षा और मानवता के क्षेत्र में विद्यालय एवं अपने समाज का नाम रोशन करेंगे। मैं उन सभी सज्जनों का हृदय से आभारी हूँ जिनका समय-समय पर सहयोग एवं मार्गदर्शन विद्यालय को मिलता रहा है और आशा करता हूँ कि भविष्य में इसी प्रकार सहयोग मिलता रहेगा।



श्री जगवीर सिंह
चेयरमैन



From The Principal Desk...



We the members of Brijdham Vidya Mandir Senior Secondary School, feel that every child is unique and he/she should be equipped to combat challenges of the competitive world in a befitting way.

We must equip your child with all the skills for his/her all round development. He/She must not be left behind in the race of life. It is affiliated to Central Board of Secondary Education. The School has all the infra structural facilities needed for any child. These infra structural facilities can make your child excel in real life. We aim that our students would shine in every sphere of life. We also sincerely expect that our students would provide quality leadership to the nation in the upcoming years. We dream of producing professional qualities with strong basic human values. Hence we solicit strong support from all parents in our mission. We strongly feel that this school would play a major role in shaping the future of your child. We would assure you of our unmatched commitment all the time

for the progress of your child. Our happiness lies in the happiness of your child. Education is moulding an individual to perform better in any field of his/her choice. It is also a kind of social insurance which covers the entire life span of an individual. It can be passed on from our generation to another without any hindrance. Education here at International Public School can further change the destiny of your child. Destiny of the nation is shaped in class rooms.

Hence admit your child and see the difference.



Dr. Seetaram Sharma
Principal



Director's Desk



Mr. Ghanendra Rawat
Director

We are committed to providing a learning environment in our school Which is adaptable, flexible and facilitates potential changes in the educational pattern. The learning environment is also considered as a strategic tool to power and excel.

This is done with an objective to support The new learning Paradigm that provides learning for student in A manner most suited for them.

The challenge lies in utilizing the changing learning patterns with Changes in methods of instructions coupled with technological advancements. We are committed to create an educational experience that will influence The all round development of students and will upload our vision of providing A more intelligent and responsible workforce who can contribute Their best towards the development of our nation.

Manager's Desk

Dear Parents,

First and foremost, I would like to congratulate you for your wisdom and vision to provide modern education to your ward that would enable him or her to excel in the ever-evolving global environment and emerge out as a better human being.

I believe that our children are tender saplings who if nurtured with care, love and right education will grow up into trees who can not only sustain during the rough weather conditions but also provide shelter to others.

My objective is to create and sustain an environment of care, respect and love for our students while maintaining the necessary academic rigour. For me and our teachers, education for children not only means excellence in learning but also participation in extra-curricular activities so as to develop their overall personality. My focus for your ward will be to help with educating his or her academic, moral, intellectual, disciplinary and physical formation.



Mr. Atul Kuntal
Manager

Vice Principal Desk



Education is the foundation of a successful future. It not only provides the knowledge and skills necessary for a fulfilling career but also instills important values such as discipline, perseverance, and responsibility. We, at Brij Dham Vidhya Mandir strive to provide a holistic learning experience to our students, where they can learn not only from textbooks but also from real-life experiences. As parents and caregivers, I urge you to support your child's education and co-curricular pursuits. Encourage them to participate in extracurricular activities, and provide them with the necessary resources to pursue their interests. By doing so, you can help them develop into well-rounded individuals who are better prepared to face the challenges of the world.

Mr. Rinku Sharma
Vice Principal

Vice Principal



विद्यालय : एक संक्षिप्त परिचय

(School A Brief Introduction)



आनन्दकन्द बृजनन्दन योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा सदैव ही शिक्षा, संस्कार, गुण-प्रदात्री एवं व्यक्तित्व विकास के लिये विख्यात रही है। बृजभूमि में भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व के लोग आकर एवं यहाँ रहकर शिक्षा ग्रहण करने को लालायित रहे हैं। यहाँ का शान्त सुरम्य एवं पवित्र वातावरण शिक्षा एवं संस्कारों के लिये सर्वाधिक उपयुक्त है। इन संस्कारों को प्रदान करने हेतु एक आवासीय विद्यालय स्थापित करने की कामना की जिसको साकार करने का बीड़ा उठाया स्थानीय संस्था “श्री श्यामलाल जन कल्याण सेवा शिक्षा समिति” ने वर्तमान में जिनके द्वारा 2 विद्यालय संचालित हैं। जहाँ देश की तरुणाई को दिशा एवं दृष्टि देने वाली शिक्षा पद्धति जिसमें भारतीय जीवन मूल्यों का संरक्षण हो सके। जहाँ अन्य विद्यालय जैसी तड़क-भड़क नहीं, भौतिक आड़म्बर नहीं परन्तु जहाँ आवास और अध्ययन की वैज्ञानिक सुख-सुविधायें उपलब्ध हों, जहाँ व्यक्तित्व विकास एवं गुणों के सम्बर्द्धन का दिव्य भव्य वायुमण्डल हो, जहाँ निजी जीवन को ऊँचा करने के साथ-साथ भारत माँ की सेवा का संकल्प जागता हो, जहाँ बालक के जीवन में अपने महापुरुषों, उनकी वृत्तियों व गौरवशाली परम्परा के प्रति स्वाभिमान के भाव जागृत होते हों, बस इसी स्वप्न को साकार करते हुए हम प्रगति की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं। फाल्गुन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा तिथी 1 दि. 10 फरवरी 2009 को राष्ट्रार्पण की दिशा में आगे बढ़ने हेतु **बृजधाम विद्या मंदिर की स्थापना**-सौख मार्ग पर। मथुरा के उन्मुक्त एवं सुरम्य वातावरण में विद्या मंदिर का अपना परिसर गोलोकवासी श्री श्यामलाल जी एवं रेवती देवी के सहयोग एवं प्रेरणा से निर्मित हुआ।, जहाँ कक्षा नर्सरी से द्वादश तक के भैया-बहन माँ सरस्वती का आशीर्वाद ग्रहण करते हुये अध्ययनरत हैं। विद्यालय एवं छात्रावास की भव्य रचना एवं शैक्षिक वातावरण से कोई भी आगन्तुक आकर्षित हुए बिना नहीं रह सकता। विद्यालय को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (CBSE) नई दिल्ली से सीनियर सैकेण्ड्री (12th) तक की मान्यता है। विद्या मन्दिर का संचालन **श्री श्यामलाल जनकल्याण सेवा शिक्षा समिति** के सहयोग से हो रहा है।

विद्या मन्दिर की विशेषताएँ

(features Of School)

विद्यालय भवन : विद्यालय भवन आधुनिक वस्तुकला के नमूने पर है। जिसमें हवा एवं प्रकाश-युक्त पर्याप्त कक्षा-कक्ष हैं। इनके अतिरिक्त आधुनिक उपकरण से सुसज्जित तीन विज्ञान प्रयोगशालायें, (Physics, Chemistry, Biology), वातानुकूलित कम्प्यूटर प्रयोगशाला, व्याख्यान कक्ष, विशाल कक्ष व एक वाचनालय व पुस्तकालय कक्ष, आठ बरामदे, आचार्य कक्ष, कार्यालय कक्ष, प्रधानाचार्य कक्ष, चिकित्सा कक्ष, भण्डार कक्ष, परीक्षा कक्ष पर्याप्त शौचालय और क्रीड़ा कक्ष आदि पर्याप्त कक्षा कक्ष हैं।

आगामी योजनाएँ : विद्या मन्दिर में छोटी कक्षाओं की अलग से राष्ट्रीय मानकों के अनुसार बिल्डिंग बनाये जाने की योजना है। 400 मी. के खेल ट्रैक बनाये जाने का कार्य प्रगति पर है साथ ही बहुउद्देशीय सभागार स्वमिंग पूल प्रस्तावित हैं।

पाठ्यक्रम : विद्यालय में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (CBSE) नई दिल्ली के पाठ्यक्रम के आधार पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) द्वारा निर्धारित एवं प्रकाशित पुस्तकें पढ़ाई जाती है। अध्यापन की सुविधा की दृष्टि से पाठ्यक्रम को विभिन्न इकाइयों में विभाजित किया जाता है।

बुक-बैंक : विद्यालय में आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को पूरे सत्र तक अध्ययन करने के लिए पाठ्य-पुस्तकें बुक बैंक से निःशुल्क प्रदान करने की व्यवस्था है। छात्रों द्वारा बुक बैंक योजना का सफल संचालन अपनी पुस्तकें प्रदान करके किया जाता है।

सुरक्षा : विद्यालय परिसर में सुरक्षा व समुचित अनुशासन की दृष्टि से सी. सी. टी. कैमरों की व्यवस्था है जिसके द्वारा विद्यालय में हो रहे प्रत्येक क्रियाकलाप पर निगरानी रखी जाती है।



शिक्षण विषय

(Teaching Subjects)

Nursery To V

1. HINDI
2. ENGLISH
3. MATHEMATICS
4. ENVIRONMENTAL SCIENCE
5. SCIENCE
6. ARTS & CRAFT
7. COMPUTER
8. PHYSICAL EDUCATION
9. G.K.

Class VI to X

1. Hindi
2. English
3. Sanskrit
4. Science
5. Mathematics
6. Social Studies
7. Visual Art
8. Work Experience
9. Computer Education
10. Moral Education
11. General Knowledge
12. Physical Education

Class XI and XII

1. Hindi
2. English
3. Mathematics
4. Physics
5. Chemistry
6. Biology
7. Computer Science
8. Accountancy
9. Economics
10. Business Studies
11. Geography
12. History
13. Hindustani music vocal
14. Home Science
15. Moral Education
16. Physical Education
17. Work Experience
18. General Studies/ Foundation Course
19. Political Science
20. Sociology
21. Painting



पंचमुखी शिक्षा

शिक्षा का तात्पर्य केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं है। बल्कि छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास है। इस दृष्टि से विद्या मन्दिर में पंचमुखी शिक्षा की व्यवस्था है। जैसे- शारीरिक, मानसिक, व्यावसायिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक।

1. शारीरिक शिक्षा : छात्र-छात्राओं के शारीरिक विकास हेतु विद्यालय में विविध प्रकार के व्यायाम, योग-योगासन, परम्परागत भारतीय खेल जैसे खो-खो कबड्डी आदि व आधुनिक अन्तर्राष्ट्रीय खेल जैसे-क्रिकेट, फुटबॉल, वॉली-बॉल, बैडमिंटन आदि की व्यवस्था है। विभिन्न Outdoor खेलों के साथ विभिन्न Indoor खेल जैसे-कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस आदि की भी व्यवस्था है।

2. मानसिक शिक्षा : छात्र-छात्राओं में कल्पना, विश्लेषण, संश्लेषण, तुलना अनुमान, निर्णय स्मृति, निरीक्षण, निष्कर्ष आदि मानसिक शक्तियों का विकास मनोवैज्ञानिक शिक्षण विधि से किया जाता है।

3. व्यावसायिक शिक्षा : श्रम के प्रति श्रद्धा एवं स्वावलम्बन की प्रवृत्ति का विकास करने के लिये छात्र-छात्राओं की सृजनशीलता व कलात्मकता जागृत करने का प्रयास किया जाता है।

4. नैतिक शिक्षा : छात्र-छात्राओं में सामाजिकता का भाव, शील, पवित्रता, तेज, कर्तव्यनिष्ठा, स्वदेश प्रेम, सत्यवादिता, दया, प्रेम, त्याग, निःस्वार्थता, सहिष्णुता, परोपकारिता, अनुशासन, शिष्टाचार आदि नैतिक गुणों का संवर्धन विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों महापुरुषों एवं महिलाओं की जयन्तियों, बोध कथाओं, प्रेरक प्रसंगों समयानुकूल विचारप्रद अभिभाषणों (Speeches) के माध्यम से किया जाता है।

5. आध्यात्मिक शिक्षा : आध्यात्मिक शिक्षा भारतीय जीवन का अधिकार है। जिसके अनुशीलन से उस परम सत्ता का आभास होता है, जो इस चराचर जगत में व्याप्त है। इसकी अनुभूति मनुष्य को भौतिक सीमाओं से परे ले जाकर आध्यात्मिक आनन्द के क्षेत्र में अवस्थित करती है। ऐसी अनुभूति के लिए वन्दना, ईश भक्ति, आध्यात्मिक महापुरुषों के जीवन प्रसंग, गीत, ध्यान, धार्मिक ग्रन्थों का पठन पाठन किया जाता है।



परीक्षा एवं मूल्यांकन पद्धति एवं ग्रेडिंग सिस्टम

विद्या मन्दिर में छात्र-छात्राओं की प्रगति हेतु औपचारिक परीक्षाएँ ही आधार नहीं हैं, अपितु लिखित, प्रायोगिक, मौखिक एवं निरीक्षण आदि रीतियों से सतत् मूल्यांकन किया जाता है। कक्षा I से XII तक CBSE बोर्ड द्वारा लागू Exam पद्धति के अन्तर्गत मूल्यांकन किया जाता है।



• **कक्षा 6 से 9 तक :** सत्र Term-I तथा Term-II में विभाजित होगा। प्रत्येक Term में 80 Marks का Written Exam तथा 20 Marks का Internal Assessment होगा। Internal Assessment में 4 Periodic Test-10 Marks each, Notebook Submission-5 Marks तथा Subject Enrichment Activities-5 Marks होंगे। Result में Marks के साथ Grades भी प्रदर्शित किये जायेंगे।

• **कक्षा दशम से द्वादश में छात्र के सर्वांगीण क्रिया-कलापों के मूल्यांकन हेतु निम्नलिखित पद्धति अपनायी जाती है- :**

1. मासिक परीक्षा (प्रथम)- 50 अंक, 2. अर्द्धवार्षिक परीक्षा- 100 अंक, 3. मासिक परीक्षा (द्वितीय)- 50 अंक 4. वार्षिक परीक्षा- 100 अंक
प्रत्येक परीक्षा के बाद अभिभावक गोष्ठी (पी.टी.एम.) की योजना रहती है तथा छात्रों की प्रगति आख्या अगस्त, नवम्बर, जनवरी एवं मार्च में अभिभावकों के पास भेजी जाती है।

छात्र दैनन्दिनी

छात्र-दैनन्दिनी छात्र का दर्पण है, जिसमें उसके सभी क्रियाकलाप प्रतिबिम्बित होते हैं। अतः प्रत्येक छात्र की दैनन्दिनी में उसके व्यक्तिगण विवरण, दिनचर्या, गृहकार्य, सदाचार, उपस्थिति, पुस्तकालय, परिवार एवं विद्यालय के बीच पत्राचार आदि के विवरण अंकित किये जाते हैं।

पुस्तकालय एवं वाचनालय

पुस्तकें सन्त एवं महापुरुषों के आदर्शों से प्रतिबिम्बित करती हैं, इस हेतु विद्यालय में वृहद पूर्णतः आधुनिक वातानुकूलित एवं कम्प्युटरीकृत, पुस्तकालय एवं वाचनालय है। जिसमें छात्र-छात्राओं की रुचि अनुसार ज्ञान वर्धक पत्र-पत्रिकायें हिन्दी, संस्कृत अंग्रेजी माध्यम में नियमित रूप से पुस्तकालय में आती हैं। पुस्तकालय में लगभग 6000 पुस्तकें विभिन्न विषयों पर उपलब्ध हैं। 8 समाचार पत्र-पत्रिकायें एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से सम्बन्धित पत्रिकायें हिन्दी-अंग्रेजी में नियमित रूप से आती हैं, जिनसे छात्र/छात्रायें तेजी से बदल रहे विश्व परिदृश्य की जानकारी रखते हैं।



कम्प्यूटर प्रशिक्षण

वर्तमान युग कम्प्यूटर का युग है। हमारे यहाँ Computer Science, IT, Computer Application etc. Subject Class 3 से ही योग्यतम आचार्यों के मार्गदर्शन में अध्यापन की व्यवस्था है। युगानुकूल चलते हुए हमने विद्यालय में COMPUTER लैब LAN पद्धति पर व्यवस्थित की है, जिनमें योग्य आचार्यों / आचार्योंओं द्वारा कक्षा 1 से 12 तक के छात्र / छात्राओं को प्रारम्भिक ज्ञान से लेकर आधुनिकतम जानकारी व्यावहारिक रूप से दी जाती है।

उपकरणों को दृष्टि से 45 COMPUTERS, 4 PRINTER, 2 SCANNER, 2 DIGITAL PHOTO STATE MACHINE, 3 PROJECTER, एवं INTERNET की सुविधा उपलब्ध है। पूरा परिसर WIFI सेवा से युक्त है। विद्यालय का अपना मोबाइल APP, **ACCIVATE ACCRETION (Student)** है। जिसका स्कूल कोड है "BDVMSS" तत्पश्चात छात्र का USERNAME OR PASSWORD विद्यालय से प्राप्त करके इस ऐप से छात्र एवं विद्यालय संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।



देश दर्शन एवं शैक्षिक यात्राएँ (Educational Tours)

सामाजिक, वैज्ञानिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक तथा व्यवहारिक ज्ञानार्जन हेतु विद्यालय में देश-दर्शन कार्यक्रम प्रतिवर्ष कक्षा सह आयोजित होते हैं। अभी हमारे छात्र राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, उत्तराखण्ड आदि के अधिकतम दर्शनीय स्थलों की शैक्षिक यात्रा सम्पन्न कर चुके हैं। वर्ष 2022 में नैनीताल की शैक्षिक यात्रा कक्षा 6 से 12 तक भैया बहिनें गई थी।

विद्यालय वेश

विद्यालय में निर्धारित वेश में प्रथम दिवस से ही आना अनिवार्य है। वेश का निर्धारण निम्नवत है- निर्धारित ट्रैक सूट विद्यालय से (समूल्य) प्राप्त होगा। प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को श्वेत एवं हाउस वेश होता है।

School Uniform

(Nursery to 5th)

Summer- (01 April to 30 September)

Boys- Shirt - Sky Blue & White Lining
Trousers - Dark Blue, Black Shoes and white socks
Girls- Shirt- Sky Blue & White Lining
Ribbon and hair band - Maroon colour, Black Shoes and white socks

House Dress for boys and girls (Wednesday and Saturday)

House T-Shirt and lower, white pent, white shoes and white socks.

Winter- (01 October to 31 March)-

School dress Jersey

Extra accessories- Tie, Belt, ID card.

(Class 6th to 12th)

Summer- (01 April to 30 September)

Boys- Shirt - Sky Blue & White Lining
Trousers - Dark Blue, Black Shoes and white socks
Girls- Grey Kurti / Suit and White salwar, Blue lining Red Koti
Ribbon and hair band - Maroon colour, Black Shoes and white socks

House Dress-(Wednesday and Saturday)

Boys- House T-Shirt and white lower/ pent, white shoes and white socks.

Girls- White Kurti / Suit salwar and Red Koti
Ribbon and hair band - Maroon colour

Winter- (01 October to 31 March)-

School Uniform half sweater and Navy Blue Blazer for both boys and girls.

Extra accessories- Tie, Belt, ID card.

छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार

1. मेधावी छात्रों को प्रेरित करने के लिए सरकार द्वारा संचालित परीक्षाओं के अतिरिक्त विद्यालय स्तर पर छात्रवृत्ति की आदर्श योजना है। निर्धन परन्तु मेधावी 5% छात्रों को विद्यालय स्तर पर शुल्क मुक्ति की व्यवस्था है।
2. श्री श्यामलाल जनकल्याण शिक्षा सेवा समिति, मथुरा के सौजन्य से कक्षा 10 एवं 12 में 90% से अधिक अंक प्राप्तकर्ता छात्रों को प्रोत्साहन राशि या शुल्क मुक्ति या पुरस्कार प्रदान की जाती हैं।
3. वार्षिक परीक्षाफल वितरण के समय वर्षभर में सम्पन्न होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं व परीक्षा में स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को विद्यालय की ओर से पुरस्कार राशि छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की जाती है।
4. विद्यालय में शत-प्रतिशत उपस्थित रहने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाता है।
5. विधवा महिलाओं के तथा असहायों के सभी बच्चों को 50% शिक्षण शुल्क मुक्त की व्यवस्था है।

विद्यालय सम्बन्धी अनुशासनात्मक नियम

1. विद्यालय के सभी नियमों, उपनियमों का पालन करना छात्रों के लिए अनिवार्य है। ऐसा न होने पर विद्यार्थी के विरुद्ध तदानुसार कार्यवाही की जायेगी।
2. प्रत्येक विद्यार्थी की विद्यालय में प्रत्येक मासिक परीक्षा में 75 प्रतिशत उपस्थिति होना आवश्यक है। 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति होने पर विद्यार्थी को मासिक/वार्षिक परीक्षा से वंचित किया जा सकता है, या नाम विच्छेद किया जा सकता है।
3. निरन्तर 7 दिन तक बिना किसी सूचना के विद्यालय में अनुपस्थित रहने पर विद्यार्थी का नाम विच्छेद किया जा सकता है।
4. अवकाश के लिये प्रार्थना पत्र एक दिन पूर्व अथवा अवकाश के दिन कक्षाचार्य के पास आ जाना चाहिए अन्यथा विद्यार्थी को अनुपस्थित माना जायेगा।
5. विद्यार्थियों को विद्यालय वेश में आना अनिवार्य है।
6. विद्यालय में होने वाले कार्यक्रम, उत्सव, पर्व तथा जयन्तियों में छात्रों की सहभागिता अनिवार्य है। राष्ट्रीय पर्वों पर अनुपस्थित अनुशासनहीनता मानी जायेगी।
7. किसी भी अभिभावक को अभिभावक दिवस के अतिरिक्त किसी भी दिवस में किसी आचार्य से सीधे कक्षा में सम्पर्क नहीं करने दिया जायेगा। अभिभावक दिवस के अतिरिक्त अभिभावक विद्यार्थियों से संबंधित समस्या का निराकरण प्रधानाचार्य अथवा उपप्रधानाचार्य से विद्यालय दिवसों में प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक कर सकते हैं।
8. विद्यार्थियों को विद्यालय निर्धारित समय से आना है। देर से आने वाले विद्यार्थियों को घर वापिस भेजा जा सकता है।
9. विद्यार्थियों को अभिभावक द्वारा हस्ताक्षर करवाने के पश्चात प्रतिदिन दैनन्दिनी लाना अनिवार्य है।
10. विद्यार्थियों द्वारा पुस्तकालय की पुस्तक खोने, खराब करने, प्रयोगशाला उपकरण व विद्यालय फर्नीचर तोड़ने, पर उसका निर्धारित दण्ड शुल्क देना होगा।
11. किसी भी विद्यार्थी को विद्यालय समय में अवकाश से पहले विद्यालय से जाने की अनुमति नहीं दी जायेगी अपरिहार्य परिस्थितियों में केवल माता पिता या अभिभावक के साथ जाने की अनुमति दी जा सकती है।
12. विशेष परिस्थितियों में या नियमों की व्याख्या से सम्बन्धित विवाद की स्थिति में प्रधानाचार्य या प्रबंध समिति का निर्णय अन्तिम व मान्य होगा।
13. विद्यार्थियों को प्रतिदिन घर पर बना हुआ सात्विक एवं पौष्टिक स्वल्पाहार लाना अनिवार्य है।
14. अखाद्य सामग्री जैसे- सुपारी, तम्बाकू, गुटखा एवं पॉलीपैक सामग्री लाना एवं प्रयोग करना दण्डनीय है।
15. विद्यालय में कीमती सामान एवं मोबाइल फोन लाना पूर्णतः वर्जित है। मोबाइल या अन्य इलैक्ट्रॉनिक उपकरण पाये जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
16. ड्राइविंग लाइसेंस व हैलमेट होने पर ही विद्यालय में अपना वाहन ला सकेंगे।

अभिभावक सम्पर्क :-

बालक - बालिकाओं के विकास में अध्यापक / अध्यापकों एवं अभिभावकों की सम्मिलित भूमिका रहती

है। जिसके लिए प्रतिवर्ष विद्यार्थियों में सुधार लाने हेतु अभिभावकों के विचार जानने के लिये समय-समय पर अभिभावक गोष्ठी का आयोजन करते हैं। विद्यालय सम्बन्धी सूचनाओं को अभिभावकों तक पहुंचाने हेतु फोन से सम्पर्क करने की सुविधा है।



प्रवेश सम्बन्धी अर्हताएँ

1. सभी कक्षाओं में प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होंगे।
2. किसी भी कक्षा में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना व वरीयता सूची में स्थान लाना आवश्यक है।
3. जिस कक्षा में प्रवेश लेना है, उसकी पूर्वकक्षा किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
4. जिस कक्षा में प्रवेश लेना है, उसकी कक्षा का आधार पूर्व कक्षा होगी। जिसका आधार योग्यता क्रम (डमतपज स्पेज) ही होगी। परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा अंग्रेजी होगा।
5. लिखित परीक्षा हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान व सामान्य ज्ञान की होगी।
6. लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद छात्र के व्यक्तित्व परीक्षण एवं साक्षात्कार के उपरांत ही उक्त कक्षा में प्रवेश दिया जायेगा।
7. जिन छात्रों का पूर्व कक्षा का परिणाम नहीं आया है उन्हें चतुःपेपवदंस।कउपेपवद मिल सकता है। किन्तु पूर्व कक्षा की परीक्षा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बन्धित है, तो प्रतिहस्ताक्षरित की कोई आवश्यकता नहीं है।
8. स्थानान्तरण प्रमाण पत्र न होने कि स्थिति में अध्ययनरत प्रमाण पत्र आवेदन पत्र के साथ अवश्य जमा करना होगा तथा प्रवेश होने की स्थिति में 15 जुलाई तक प्रमाण पत्र तथा अंक पत्र जमा कराना अनिवार्य होगा अन्यथा प्रवेश रद्द माना जायेगा।
9. किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता करने पर छात्रों के प्रवेश की निरस्त करने का अधिकार प्रधानाचार्य को होगा।



शुल्क सम्बन्धी सूचनाएँ

- ★ प्रवेश के उपरान्त कभी भी विद्यालय छोड़ने पर 6 माह का शुल्क जमा करना अनिवार्य है। जमा किया गया शुल्क वापस नहीं हो सकेगा।
- ★ शुल्क जमा करने के सम्बंध में विद्यालय की ओर से प्रत्येक मास कोई सूचना नहीं दी जायेगी। शुल्क का विस्तृत विवरण पत्र अलग से दिये गये पत्रक में दिया गया है।
- ★ प्रतिमाह लिये जाने वाले सभी शुल्क 12 माह के ही देय होंगे। वाहन शुल्क 11 माह का देय होगा।
- ★ विद्यालय में जमा किए गये शुल्क की रसीद के साथ-साथ आपके मोबाइल नं. पर मैसेज भी विद्यालय द्वारा भेजा जाता है।

शारीरिक

बालक के सम्यक शारीरिक विकास हेतु जूडो-कराटे, योगासन, जिम्नास्टिक एवं ध्यानयोग के साथ-साथ विभिन्न खेलों जैसे- फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, हैण्ड बॉल, बैडमिन्टन, खो-खो, कबड्डी आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है, इस हेतु विद्यालय में पर्याप्त उपकरणों की व्यवस्था है। प्रत्येक विद्यार्थी किसी न किसी खेल में कुशल हो ऐसी योजना रहती है। परिणाम स्वरूप यह विद्यालय CBSE , SGFI एवं राष्ट्रीय स्तर के भी खेलों में प्रतिवर्ष यहाँ के छात्रों का चयन होता है।



नियमित स्वास्थ्य परीक्षण

विद्यार्थी स्वस्थ रहें इस हेतु सभी आवश्यक उपाय तो किये जाते हैं साथ ही नगर के प्रसिद्ध चिकित्सकों द्वारा नियमित रूप से उनका स्वास्थ्य-परीक्षण भी कराया जाता है एवं समय-समय पर उसकी आख्या अभिभावकों को भेजी जाती है।



सक्रिय अभिभावक सम्पर्क एवं गोष्ठियाँ

विद्यार्थी अपने ऐतिहासिक गौरव के समीप आयें। अपने पूज्य महापुरुषों एवं मान बिन्दुओं में आस्था रखें। इस हेतु विद्यालय में विभिन्न पर्व एवं जयन्तियों का आयोजन विद्यार्थी करते हैं। इन सभी कार्यक्रमों में प्रमुख समासेवी एवं विद्वानों का भी मार्गदर्शन प्राप्त होता है। बालकों के विकास में आचार्य एवं अभिभावकों की सम्मिलित भूमिका महत्वपूर्ण रहती है, इस निमित्त हम अभिभावक-गोष्ठियाँ एवं सम्मेलनों का आयोजन प्रतिवर्ष करते हैं, जिसमें अभिभावकों व आचार्यों के मध्य सुझावों का आदान-प्रदान होता है, इसके अतिरिक्त आचार्य बन्धु वर्ष में दो बार छात्र के घर जाकर अभिभावक महानुभावों से सम्पर्क कर छात्र के सर्वांगीण विकास में अपनी अहम भूमिका का निर्वाह करते हैं। प्रत्येक परीक्षा के परिणाम उपरान्त आचार्य अभिभावक मिलन विद्यालय में आयोजित किया जाता है।

वार्षिकोत्सव सांस्कृतिक झाँकियाँ

रंगमंचीय छात्रों में संगीत के प्रति रुचि जागृत करने हेतु कुशल संगीताचार्यों के मार्गदर्शन में आधुनिकतम वाद्य-यंत्रों के साथ गायन-वादन, रंगमंचीय एवं अन्य विधाओं को विकसित किया जाता है तथा वार्षिकोत्सव एवं सांस्कृतिक आयोजन में छात्र अपने सर्वांगीण वि (शारीरिक, रंगमंचीय एवं क्रियात्मक ज्ञान) की झलक प्रस्तुत करते हैं।

विद्यालय समय

ग्रीष्म कालीन

प्रातः 7.30 बजे से अपरान्ह 1.30 बजे तक

शीत कालीन

प्रातः 9:00 बजे से अपरान्ह 3:30 बजे तक

विद्यालय का समय ऋतु एवं आवश्यकतानुसार परिवर्तन भी हो सकता है।



संस्कृति बोध परियोजना

“ विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान ” द्वारा ‘संस्कृति ज्ञान परीक्षा’ का संचालन, अपनी मातृभूमि, देश की संस्कृति, धर्म, दर्शन, ऋषियों एवं महापुरुषों के कृतित्व एवं व्यक्तित्व की विशेष जानकारी हेतु, प्रतिवर्ष अखिल भारतीय स्तर पर किया जाता है। अपने विद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं अध्यापकगण इस परीक्षा में सम्मिलित होते हैं तथा सफलता अर्जित कर प्रमाण-पत्र प्राप्त करते हैं।



सदन व्यवस्था एवं कक्षा प्रतिनिधि

सम्पूर्ण विद्यालय 4 सदनों (आजाद, भगतसिंह, शिवाजी तथा टैगोर) में बँटा हुआ है, प्रत्येक सदन का प्रतिनिधित्व अध्यापकों (1 सदन प्रमुख, 1 सदन उपप्रमुख) तथा 2 छात्रों/छात्राओं के नेतृत्व में वर्ष भर किया जाता है। प्रत्येक कक्षा वर्ग में दो प्रतिनिधि होते हैं। 1 मॉनीटर और 1 सहायक मॉनीटर जो कक्षा में अनुशासन एवं शैक्षिक वातावरण को बनाने में सहयोग प्रदान करते हैं।

छात्रावास

मथुरा के अतिरिक्त विभिन्न जनपदों एवं प्रान्तों के छात्रों के अध्ययन एवं आवास की समुचित व्यवस्था विद्यालय के विवेकानन्द छात्रावास में है, जिसकी विवरणिका नियमावली अलग से प्रकाशित है। यह सुविधा केवल भैयाओं के लिए है।



क्रीड़ा प्रांगण

राष्ट्रीय मानक के अनुसार आकर्षक क्रीड़ा संयंत्रों से युक्त (200 मी. स्थल) जहाँ छात्र-छात्राएँ एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, खो-खो, टेबल-टेनिस, हॉकी, क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, कैरम, शतरंज के लिए अलग से खेल प्रांगण प्राथमिक कक्षाओं के बालक/बालिकाओं की इण्डोर व्यवस्था है। बालकों के शरीर को हष्ट-पुष्ट बनाने हेतु आधुनिक उपकरणों से युक्त व्यायामशाला की व्यवस्था की गयी है।



संकल्प

हमारे भैया एवं बहिनों द्वारा लिए कुछ संकल्प :

1. भोजन की थाली में झूठा न छोड़ना ।
2. ऊर्जा की बचत करना ।
3. घर में तुलसी का पौधा लगाना ।
4. पाठ्य-पुस्तक देवी स्वरूप है उन्हें बेचना नहीं ।
5. अपने उद्बोधन का प्रारम्भ संस्कृत श्लोक से करना एवं बिना पत्र की सहायता से बोलना ।
6. अपने दादा-दादीजी एवं नाना-नानीजी के लिए कोई कार्यक्रम आयोजित करना ।
7. स्वच्छता के प्रति जागरण ।



वाहन

1. छात्रों को घर से विद्यालय आने व जाने हेतु निर्धारित रूट पर विद्यालय की बस सेवा उपलब्ध है, इनका उपयोग निर्धारित शुल्क देकर कर सकते हैं, वाहनों के स्थानक (स्टॉपेज) सुनिश्चित हैं, अतः छात्र को अपने निकटतम स्थानक पर 5 मिनट पूर्व पहुंच जाना चाहिए ।
2. मार्ग अथवा स्थानक (स्टॉपेज) पर हुई किसी भी दुर्घटना का दायित्व विद्यालय का नहीं होगा
3. अन्यतः विद्यालय में सुरक्षा की समुचित व्यवस्था है, फिर भी किसी छात्र के विद्यालय से बाहर चले जाने या किसी अन्य दुर्घटना का विद्यालय उत्तरदायी नहीं होगा ।
4. साइकिल से आने के लिए विद्यालय से पूर्व अनुमति आवश्यक है । एक साइकिल पर एक ही भैया/ बहिन आयेगें । छात्रों को मोटर साइकिल, स्कूटर एवं मोपेड लाने की अनुमति नहीं है ।



BOARD CLASS TOPPER 2022



ROHIT FAUJDAR
96%
Class : XII-SCI.



GAGANDEEP
95%
Class : XII-SCI



DEEPAK KUNTAL
94.4%
Class : XII-SCI



VANSHIKA JINDAL
94%
Class : XII-SCI



ASHU
92.8%
Class : XII-SCI



VINESH
92%
Class : XII-SCI



SHIVAM CHAUDHARY
91.6%
Class : XII



SURBHI GODRA
90.4%
Class : XII-SCI



CHARUL CHAUDHARY
90%
Class : XII



PAYAL CHAUDHARY
90%
Class : XII-SCI



AMAN
95.4%
Class : XII-ART



ROSHNI
93%
Class : XII-ART



SONAM
91.1%
Class : XII-ART



VANDANA CHAUDHARY
91%
Class : XII- Com.



SUNIL KUNTAL
94%
Class : X



GAURAV KUNTAL
94%
Class : X



RASHMI CHAUDHARY
93%
Class : X



NAMAN TOMAR
89%
Class : X

Result

CLASS TOPPER 2022

Main Campus



SUHANI
95.77%
Class : NUR



HARDIK AMERIYA
92%
Class : L.K.G



DIPESH KUMAR
92%
Class : L.K.G



TANAV KUNTAL
90.17%
Class : U.K.G



MANYA KUNTAL
93.4%
Class : I



KUNAL
93.4%
Class : I



HIMI KUNTAL
99.6%
Class : II



GARIMA
93%
Class : III



VISHAL KUNTAL
90.4%
Class : IV



AMAN SINGH
91.96 %
Class : V



CHIRAG SINGH GAURAV
94%
Class : VI



JYOTI KUNTAL
99.45%
Class : VII



CH. ARYAN KUNTAL
99.5%
Class : VIII



KAUSHAL KISHOR
88.55%
Class :IX



SUHANI
85%
Class : XI SCI



SUMAN
87%
Class : XI ART

Result

CLASS TOPPERS 2023

City Campus



CHITRA
91.6%
Class : NUR



KHUSHANS KUNTAL
98%
Class : L.K.G



VAISHNAVI
98%
Class : U.K.G



VED CHAHAR
95.97%
Class : I



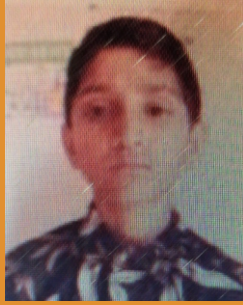
SAKSHANA
98.81%
Class : II



SHAURYA KUNTAL
92.2%
Class : III



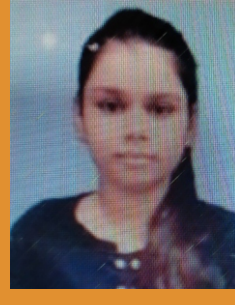
SHAURYA SHARMA
90.53%
Class : IV



JAYANT CHAUDHARY
93.72 %
Class : V



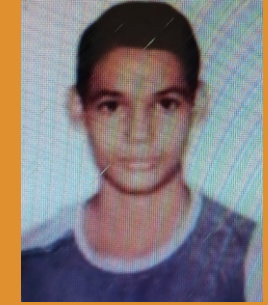
GARIMA SHARMA
87%
Class : VI



PRIYANSHI KUNTAL
87.66%
Class : VII



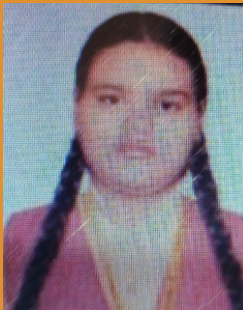
PRIYANKA PAL
88.91%
Class : VIII



OM CHOUDHARY
72.68%
Class : IX



PAYAL
63.48%
Class : XI -COM.



MUSKAN SIKARWAR
75.12%
Class : XI -SCI.



TANISHA SHARMA
78.24%
Class : XI -ART.



हमारा शिक्षक परिवार

क्र. सं.	नाम	विभाग
1.	डा. सीताराम शर्मा (M.A., B.Tech., B.Ed., B.P.Ed, D.Litt.)	प्रधानाचार्य
2.	श्री रिंकू शर्मा (B.Sc. CS, D.L.Ed, B.Ed, LLB, M.A.)	उपप्रधानाचार्य
3.	श्री भूपेन्द्र सिंह (M.A., B.Ed.)	हिन्दी विभाग/(H.M.)
4.	श्री अजय शर्मा (M.Sc., B.Ed.)	विज्ञान विभाग प्रमुख
5.	श्री अब्दुल समद खान (M.Sc., B.Ed. D.Pharma)	विज्ञान विभाग
6.	श्रीमती श्वेता सिंह (M.Sc., B.Ed.)	विज्ञान विभाग
7.	श्री ललित कुमार चंदेल (M.Sc., B.Ed.)	विज्ञान विभाग
8.	श्री भगत सिंह (M.Sc., B.Ed.)	विज्ञान विभाग
9.	श्री मयंक सारस्वत (B.Sc + BTC)	विज्ञान विभाग
10.	श्री आलोक सिंह (M.Sc., B.Ed.)	विज्ञान विभाग
11.	श्रीमती इन्दु दुवे (B.Sc., B.Ed.)	विज्ञान विभाग
12.	श्री मनोज कुमार (M.A., B.Ed.)	गणित विभाग प्रमुख
13.	श्री चन्द्रवीर सिंह (M.Sc., M.B.A)	गणित विभाग
14.	श्री कुलदीप चौधरी (B.S.C., BTC)	गणित विभाग
15.	श्री गौरव शर्मा (M.Sc., BTC.)	गणित विभाग
16.	श्री गजानन (M.A., B.Ed.)	गणित विभाग
17.	श्री अविनाश सक्सेना (M.A., B.Ed.)	गणित विभाग
18.	कु. निधी वर्मा (B.Sc, BTC)	गणित विभाग
19.	कु० सुगंधा कौशिक (M.Com, B.T.C.)	गणित विभाग
20.	श्री हरिश्चन्द्र यादव (M.A., B.Ed.)	अंग्रेजी विभाग प्रमुख

क्र. सं.	नाम	विभाग
21.	श्री अशोक कुमार सारस्वत (M.A., B.Ed.)	अंग्रेजी विभाग
22.	श्री रामू शर्मा (M.A, B.Ed.)	अंग्रेजी विभाग
23.	श्री महेन्द्र सिंह (M.A, B.Ed.)	अंग्रेजी विभाग
24.	श्री नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव (M.Sc, B.Ed.)	अंग्रेजी विभाग
25.	श्रीमती विमलेश (M.A., B.Ed.)	अंग्रेजी विभाग
26.	श्रीमती नीलिमा पाल (M.COM)	अंग्रेजी विभाग
27.	श्री हरीशचन्द्र चतुर्वेदी (M.A., B.Ed.)	हिन्दी/संस्कृत विभाग प्रमुख
28.	श्री राजेश दीक्षित (M.A., B.Ed.)	हिन्दी/संस्कृत विभाग
29.	श्री भगवानस्वरूप (M.A., B.Ed.)	हिन्दी/संस्कृत विभाग
30.	श्री बनवारी सिंह (M.A., B.Ed.)	हिन्दी/संस्कृत विभाग
31.	श्रीमती मालती (M.A., B.Ed.)	हिन्दी विभाग
32.	श्रीमती नीतू सक्सेना (M.A., B.Ed.)	हिन्दी विभाग
33.	श्रीमती मीनेश रावत (M.A. B.ED)	हिन्दी विभाग
34.	श्रीमती रंजना उपाध्याय (B.A. BTC)	हिन्दी विभाग
35.	डा० कविता सिंह (M.A. B.Ed, D.Ltt)	सामा. विज्ञान विभाग प्रमुख
36.	श्री मान सिंह (B.Sc., B.Ed.)	सामा. विज्ञान विभाग
37.	श्री भानु प्रताप सिंह (M.A., B.Ed.)	सामा. विज्ञान विभाग
38.	श्रीमती रेखा शर्मा (M.A., B.Ed.)	सामा. विज्ञान विभाग
39.	श्रीमती रजनी (M.A., B.Ed.)	सामा. विज्ञान विभाग
40.	श्रीमती नीतू (M.A., D.L.ED.)	सामा. विज्ञान विभाग

क्र. सं.	नाम	विभाग
41.	कु. अंजली निगम (M.A. B.ED)	सामा. विज्ञान विभाग
42.	श्री अभिषेक शर्मा (B.A, D.L.ED)	सामा. विज्ञान विभाग
43.	श्रीमती राधा शर्मा (M.A, B.Ed.)	सामा. विज्ञान विभाग
44.	श्रीमती पूजा जागिड़ (M.A, D.L.ED)	सामा. विज्ञान विभाग
45.	डा. नरेन्द्र सिंह (M.Com, B.Ed, D.Litt.)	वाणिज्य विभाग प्रमुख
46.	श्रीमती मंजूबाला (M.Com, M.Ed.)	वाणिज्य विभाग
47.	श्री यतेन्द्र भारद्वाज (M.Com, B.Ed, LLB)	वाणिज्य विभाग
48.	कु. समृद्धि सिंह (B.Com, B.ED)	वाणिज्य विभाग
49.	श्री धनश्याम दुवेदी (M.B.A. B.Tech)	कम्प्यूटर विभाग प्रमुख
50.	श्री अपित कुन्तल (B.S.C, DIPLOMA IN HRD/SOPY)	कम्प्यूटर विभाग
51.	श्री आकाश गौतम (B.TECH + BTC)	कम्प्यूटर विभाग
52.	श्री कुमार सैन कुन्तल (M.A- JMC, DCTT)	कम्प्यूटर विभाग
53.	कु. नेहा (B.A. B.Ed)	कम्प्यूटर विभाग
54.	श्री नरेन्द्र सिंह (M.P.Ed. PGDY)	शारीरिक विभाग प्रमुख
55.	श्री बल्देव कुन्तल (B.P.Ed.)	शारीरिक विभाग
56.	श्री अनिल कुमार (M.B.A., M.P.Ed)	शारीरिक विभाग
57.	कु. वंदना चौधरी (B.P.E., PGDY)	शारीरिक विभाग
58.	श्री दलवीर शर्मा	कॉन्डिनेटर
59.	श्रीमती मधु शर्मा (M.H.Sc., B.Ed.)	गृह विज्ञान विभाग
60.	श्री कन्हैया लाल (B.A, B.Ed., M.LIB)	पुस्तकालय प्रमुख

क्र. सं.	नाम	विभाग
61.	श्री ओम प्रकाश (Prabhakar)	संगीत विभाग
62.	कु. मनीषा शर्मा (B.Sc, D.L.Ed)	सामान्य ज्ञान विभाग
63.	कु. पूजा राना (B.F.A.)	आर्ट – कॉप्ट
64.	श्रीमती संगीता (M.A, N.T.T.)	मातृ शिक्षिका
65.	कु० प्रियंका चौहान (B.Sc, D.L.Ed)	मातृ शिक्षिका
66.	कु० वैजन्ती (M.A., D.L.Ed.)	मातृ शिक्षिका
67.	कु० भावना सिंह (B.Sc., D.L.Ed.)	मातृ शिक्षिका
68.	कु. शिवानी सिखर वार (B.Sc)	मातृ शिक्षिका
69.	कु. साक्षी सारस्वत (B.Sc, N.T.T.)	मातृ शिक्षिका
70.	कु. पूर्णिमा सिंह (M,Sc)	मातृ शिक्षिका
71.	कु. नीलम गोस्वामी (M.Sc.)	मातृ शिक्षिका
72.	कु. लक्ष्मी परिहार (B.A.)	मातृ शिक्षिका
73.	श्रीमती निशा गौतम (M.A, N.T.T.)	मातृ शिक्षिका
74.	कु. अंकिता चौधरी (B.Sc., N.T.T.)	मातृ शिक्षिका
75.	श्री विपिन विहारी गौड़ (B.Sc, PGDCA)	कार्यालय प्रमुख
76.	श्री विष्णु पाण्डेय (B.Sc)	लिपिक



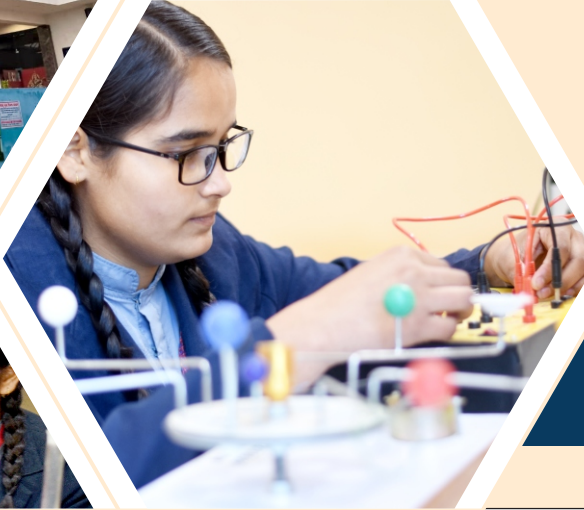
City Campus



Brij Dham Vidya Mandir

Senior Secondary School (Residential)
(Affiliated to C.B.S.E. Delhi)

An English Medium Co-Educational School



Campus-1

📍 Pali Dungra, Sonkh, MATHURA
✉ bdvmmathura@gmail.com
🌐 www.bdvmschool.com

Mob.: +91-7830043004, 8394929654,
9412777659

Campus-2

📍 Techman City, Nawada, MATHURA
✉ bdvmmathura@gmail.com
🌐 www.bdvmschool.com

Mob.: +91-7037565911, 9720190586
9568209999